Roll No. : .....

Total No. of Questions : **11**] [Total No. of Printed Pages : **4**

ELLM–603

LL.M. (Part–I) Examination, 2023

JUDICIAL PROCESS

Paper - III

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 7 × 5 = 35)**

Note :– Answer all *five* questions. Each question has internal choice (Answer limit **200** words). Each question carries **7** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 7 × 5 = 35)**

नोट :– सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

Section–C **(Marks : 15 × 3 = 45)**

Note :– Answer any *three* questions out of five (Answer limit **500** words). Each question carries **15** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 15 × 3 = 45)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) Give *two* illustrations of Judicial Process.

   न्यायिक प्रक्रिया के **दो** दृष्टांत दीजिए।

   (ii) What do you understand by 'Legal Reasoning' ?

   'विधिक तर्क' से आप क्या समझते हैं ?

   (iii) What is Constitutional Adjudication ?

   संवैधानिक न्यायनिर्णयन क्या है ?

   (iv) What do you mean by Accountability of Judiciary ?

   न्यायपालिका के उत्तरदायित्व से आप क्या समझते हैं ?

   (v) What is Judicial Activism ?

   न्यायिक सक्रियता क्या है ?

   (vi) What is due process of law ?

   विधि की सम्यक् प्रक्रिया क्या है ?

   (vii) Explain utilitarian theory of justice.

   न्याय का उपयोगितावादी सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

   (viii) What do you understand by Liberal Contractual Tradition ?

   उदारवादी संविदामूलक परम्परा से आप क्या समझते हैं ?

   (ix) Difference betwee Law and Justice.

   न्याय एवं विधि में अन्तर बताइए।

   (x) Explain 'Justice without Law'.

   'बिना विधि के न्याय' को समझाइए।

Section–B

(खण्ड–ब)

2. What were the changes brought by the English Courts in 'Common Law System' to meet the Social Requirements ?

   आंग्ल न्यायालयों द्वारा सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु 'कॉमन लॉ प्रणाली' में क्या परिवर्तन किए गए ?

Or

(अथवा)

Do you agree that 'Legal reasoning brings activism and creativity under statutory and codified legal system ? Explain with example.

क्या आप इस तथ्य से सहमत हैं कि 'विधिक तर्क' अधिनियमित एवं संहिताबद्ध विधिक व्यवस्था में सक्रियता एवं संरचनात्मकता उत्पन्न करता है ? उदाहरण सहित समझाइए।

3. Briefly summarize the tools and techniques developed by Supreme Court to provide justice to the weaker section of the society.

समाज के कमजोर वर्गों को न्याय प्रदान करने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा विकसति उपकरणों एवं तकनीक का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

Or

(अथवा)

Discuss the problems of accountability and judicial law making.

उत्तरदायित्वता की समस्या एवं न्यायिक विधि निर्माण पर विवेचना कीजिए।

4. Write a detailed note on 'Institutional Liability' of Courts in India.

भारत में न्यायालयों के 'संस्थागत दायित्व' पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

Or

(अथवा)

Write an explanatory note on Independence of Judiciary.

न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

5. Explain the concept of Dharma in Ancient India. State the relation of Law and Religion.

प्राचीन भारत में धर्म की अवधारणा को समझाइए। धर्म और विधि के सम्बन्ध को बताइए।

Or

(अथवा)

State some concept of justice in western thought.

पश्चिमी विचारधारा के अनुसार न्याय की कुछ अवधारणाएँ बताइए।

6. Discuss the Equivalence Theory of Justice.

न्याय के समतामूलक सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

Or

(अथवा)

Describe the relation between law and justice equivalence.

विधि एवं न्यायिक समानता में सम्बन्ध बताइए।

Section–C

(खण्ड–स)

7. What is 'Judicial Creativity' ? Describe the role of judicial creativity as a technique in the development of society and to what extent judicial creativity can reform the society ? Give your answer with suitable examples.

न्यायिक सृजनशीलता क्या है ? सामाजिक विकास में न्यायिक सृजनशीलता किस सीमा तक समाज में सुधार कर सकती है ? उचित उदाहरणों सहित उत्तर दीजिए।

8. "Activism of Apex Court gave a way to Legislature in several matters especially in the amendment of the Constitution." Discuss.

"शीर्ष न्यायालय की सक्रियता ने कई मामलों में, विशेषकर संविधान संशोधन में विधायिका को रास्ता दिखाया है।" वर्णन कीजिए।

9. Critically examine the role of 'Judicial Process' with reference to Constitutional goals, values, new dimensions of judicial activism and structural challenges.

'न्यायिक प्रक्रिया' की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण संवैधानिक उद्देश्यों, मूल्यों, न्यायिक सक्रियता के नए आयाम एवं ढांचागत चुनौतियों के सन्दर्भ में कीजिए।

10. "Justice is nothing more than the positive law of the stronger class." Critically evaluate this statement with the help of decided cases of Supreme Court of India.

"न्याय समाज के सशक्त वर्ग की सुस्पष्ट विधि के अलावा और कुछ नहीं है।" भारत के उच्चतम न्यायालय के निर्णीत वादों की सहायता से इसका आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

11. For its realization justice depends on law, but justice is not the same as law. Elucidate this statement.

अपने अनुभूतिकरण के लिए न्याय विधि पर आश्रित है, परन्तु न्याय विधि नहीं है। इस कथन पर प्रकाश डालिए।